IAS/PCS/PCS(J)

Estd :1988

डेली करेंट अफेयर्स जून–2019

(8th June)

Topic: For prelims and mains:

वैश्विक निःशक्तता शिखर सम्मेलन :

समाचार में क्यों? अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स नगर में ***दूसरे वैश्विक निःशक्तता शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है।***

वैश्विक निःशक्तता शिखर सम्मेलन क्या है?

- यह निरूशक्तता से सम्बंधित एक शिखर सम्मेलन है जो सबसे पहले 2018 में यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लन्दन में आयोजित हुई थी. यह आयोजन उस देश के अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग ने किया था और इसमें सह–आतिथेय के रूप में अंतर्राष्ट्रीय निःशक्तता गठबंधन (International Disability Alliance – IDA) एवं केन्या की सरकार थी।
- उद्देश्य रू शिखर सम्मेलन का उद्देश्य निःशक्त जनों के सशक्तीकरण एवं समावेशन से सम्बंधित वैश्विक समस्याओं पर विचार–विमर्श किया जाता है और एक ऐसी प्रणाली तैयार की जाती है जिससे निःशक्त जन एक स्वतंत्र एवं गरिमामय जीवन बिता सकें।
- कार्यकलाप रू निःशक्तता शिखर सम्मेलन में सम्मिलित होने वाले वैश्विक नेता निःशक्त जनों के प्रति भेदभाव और लांछन को मिटाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं तथा इसके लिए समावेशी शिक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और निःशक्तता से जुड़े उपकरणों की तकनीक एवं नवाचार, डाटा संग्रहण इत्यादि के लिए कार्य करते हैं।

****

Topic: For prelims and mains:

भारत का पहला अंतरिक्ष युद्ध अभ्यास :

समाचार में क्यों? मार्च 2019 में ***एंटी-सैटेलाइट* (Anti-Satellite/A-Sat) *मिसाइल*** का सफलतापूर्वक परीक्षण और हाल ही में ***'ट्राई सर्विस डिफेंस स्पेस एजेंसी' (Tri-Service Defence Space Agency) की शुरुआत*** करने के पश्चात् भारत पहली बार सिमुलेटेड (कृत्रिम/बनावटी) अंतरिक्ष युद्ध अभ्यास (Simulated Space Warfare Exercise) की योजना बना रहा है, जिसे **'IndSpaceEx'** ***नाम दिया गया है।***

महत्वपूर्ण तथ्य

- यह अभ्यास मूल रूप से एक ***'टेबल-टॉप वॉर-गेम' ('Table-Top War-Game') होगा,*** जिसमें सैन्य और वैज्ञानिक समुदाय के लोग हिस्सा लेंगे। किंतु ***टेबल-टॉप वॉर-गेम होने के बावजूद यह अभ्यास उस गंभीरता को रेखांकित करता*** है जिसके तहत चीन जैसे देशो से ***भारत अपनी अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की रक्षा और संभावित खतरों*** से मुकाबला करने की आवश्यकता पर विचार कर रहा है।

उद्देश्य

- अंतरिक्ष का सैन्यीकरण होने के साथ–साथ इसमें ***विवादास्पद और प्रतिस्पर्द्धात्मक गतिविधियाँ*** भी हो रही हैं।
- इन गतिविधियों के मद्देनजर भारत द्वारा अंतरिक्ष युद्धाभ्यास को शुरू करने का प्रमुख उद्देश्य अंतरिक्ष में अपनी स्थिति को और मजबूत बनाना है।
- ***जुलाई 2019 के अंतिम सप्ताह*** में आयोजित होने वाले इस ***अभ्यास का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा सुनिश्चित करने*** हेतु आवश्यक अंतरिक्ष और काउंटर–स्पेस क्षमताओं का आकलन करना है।

एंटी–सैटेलाइट मिसाइल (A-SAT)

- एंटी–सैटेलाइट मिसाइल का लक्ष्य किसी देश ***के सामरिक सैन्य उद्देश्यों के उपग्रहों को निष्क्रिय करने या नष्ट करने पर लक्षित होता है।***
- वैसे आज तक किसी भी युद्ध में इस तरह की मिसाइल का उपयोग नहीं किया गया है। लेकिन कई देश अंतरिक्ष में अपनी ***क्षमताओं का प्रदर्शन करने और अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को निर्बाध गति से जारी रखने के लिये इस तरह के मिसाइल सिस्टम की मौजूदगी को जरूरी मानते हैं।***

'IndSpaceEx' योजना :

- इस युद्ध अभ्यास के तहत भारत अंतरिक्ष में अपने विरोधियों पर ***निगरानी रखने, संचार, मिसाइल की पूर्व चेतावनी और सटीक लक्ष्य साधने तथा अपने उपग्रहों की सुरक्षा जैसी आवश्यकताओं पर बल देगा।***
- इसके साथ ही अंतरिक्ष में रणनीतिक चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता प्राप्त होगी जिनकी वर्तमान परिवेश में अत्यंत आवश्यकता है।
- ***चीन जनवरी 2007 में 'A-Sat' मिसाइल की सहायता से एक मौसम उपग्रह को नष्ट कर अंतरिक्ष में अपनी सैन्य क्षमताओं का पहले ही विकास कर चुका है।***
- चीन ने हाल ही में अंतरिक्ष के क्षेत्र में अमेरिका के वर्चस्व को खतरे में डालने वाले अपने महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम को लॉन्च किया है। इस कार्यक्रम के तहत चीन ने समुद्र में तैरते एक प्लेटफॉर्म से अंतरिक्ष रॉकेट लॉन्च करने की क्षमता का विकास किया है।

अंतरिक्ष में भारत की स्थिति :

- भारत ने लंबे समय से ***अंतरिक्ष कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए अंतरिक्ष में अपनी स्थिति मजबूत बनाई है*** फिर भी वह चीन के समकक्ष नही आ सका है।
- भारत ने संचार, ***नेविगेशन, पृथ्वी अवलोकन और अन्य उपग्रहों को मिलाकर 100 से अधिक*** अंतरिक्षयान मिशन संचालित किये हैं।

- साथ ही भारतीय सशस्त्र बल दो समर्पित सैन्य उपग्रहों के ***अलावा, निगरानी, नेविगेशन और संचार उद्देश्यों*** के लिए बड़े पैमाने पर दोहरे उपयोग वाले ***रिमोट सेंसिंग उपग्रह*** का भी उपयोग करते हैं।
- भारत ने मिशन शक्ति को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए ***काउंटर–स्पेस क्षमता विकसित*** करने की दिशा में पहला कदम तब उठाया जब उसने कम वजन वाली ***पृथ्वी की कक्षा में 283 किमी. की ऊँचाई पर स्थित 740*** किलोग्राम के ***माइक्रोसैट–R उपग्रह को नष्ट करने के लिये 19 टन की इंटरसेप्टर मिसाइल लॉन्च की।***

मिशन शक्ति .

- ***मार्च 2019 में भारत ने मिशन शक्ति को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए एंटी–सैटेलाइट मिसाइल (A-SAT)*** से तीन मिनट में एक लाइव भारतीय सैटेलाइट को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।
- अंतरिक्ष में ***300 किमी. दूर पृथ्वी की निचली कक्षा (Low Earth Orbit-LEO)*** में घूम रहा यह लाइव सैटेलाइट एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य था।
- अब तक ***रूस, अमेरिका एवं चीन*** के पास ही यह क्षमता थी और इसे हासिल करने वाला भारत दुनिया का ***चौथा देश बन गया है।***
- 'मिशन शक्ति' का मूल उद्देश्य ***भारत की सुरक्षा, आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति को दर्शाना है।***

माइक्रोसैट –R :

- माइक्रोसैट–R एक सैन्य इमेजिंग उपग्रह था, जिसका ***वजन 130 किलोग्राम था और इसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (Defence Research and Development Organization-DRDO) द्वारा बनाया गया था।***
- इसे पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया गया था। ऐसा पहली बार था जब भारतीय उपग्रह को ISRO द्वारा ***274 किमी. से कम ऊँचाई*** में रखा गया हो।
- मिशन शक्ति के तहत ***मार्च 2019*** में इसे नष्ट कर दिया गया।

भारत अन्य काउंटर–स्पेस क्षमताओं जैसे कि निर्देशित ऊर्जा हथियार (Directed Energy Weapons-DEWs), लेजर, ईएमपी (Electromagnetic Pulse) और सह–कक्षीय मारकों (Co-orbital Killers) के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक या प्राकृतिक हमलों से स्वयं के उपग्रहों की रक्षा करने की क्षमता को विकसित करने के लिये काम कर रहा है।

****

Topic: For prelims and mains:

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी :

समाचार में क्यों? हाल ही में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ***(National Testing Agency-NTA) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया है।*** यह एजेंसी नीट (National Eligibility Cum Entrance Test-NEET), ***जेईई, कैट यूजीसी नेट, जी–पैट जैसी प्रतियोगी परीक्षाएँ संपन्न कराती है।***

स्थापना :

- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) की स्थापना भारतीय संस्था पंजीकरण ***अधिनियम– 1860*** के तहत की गई थी।
- यह एक स्वायत्त संस्था है जो देश के ***उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश एवं छात्रवृत्ति हेतु प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित कराती है।***

उद्देश्य :

- इस एजेंसी का उद्देश्य प्रवेश और भर्ती हेतु उम्मीदवारों की योग्यता का आकलन करने के लिये कुशल, पारदर्शी और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर परीक्षण करना है।

कार्य :

- यह ***ऑनलाइन माध्यम में परीक्षा आयोजित करवाता है*** जिसके लिये इसे ऐसे विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों का चयन करना होता है जहाँ पर सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों और परीक्षा के आयोजन से उनके शैक्षणिक दिनचर्या पर कोई प्रभाव न पड़े।
- ***अत्याधुनिक तकनीकी की सहायता*** से सभी विषयों का प्रश्न–पत्र बनाना।
- एक मजबूत ***अनुसंधान एवं विकास की संस्कृति*** के साथ–साथ परीक्षण हेतु विषय विशेषज्ञों का एक पैनल तैयार करना।
- भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में समय–समय पर प्रशिक्षण प्रदान करना और सलाहकार सेवाएँ उपलब्ध कराना।
- ***एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विसेज (Educational Testing Services)*** जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करना।
- विभिन्न मंत्रालयों एवं केंद्र सरकार के विभागों तथा राज्य सरकारों द्वारा किसी परीक्षा के आयोजन का दायित्व सौंपे जाने कि स्थिति में उसका संचालन करना।
- ***स्कूलों, बोर्ड तथा अन्य निकायों में प्रशिक्षण के साथ–साथ*** सुधार सुनिश्चित करना एवं प्रवेश परीक्षाओं के परीक्षण संबंधी मानकों की समय–समय पर जाँच करना।

प्रशासन :

- **NTA** ***का अध्यक्ष एक प्रख्यात शिक्षाविद् होता है एवं इसकी नियुक्ति मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा की जाती है।***
- ***इसका मुख्य कार्यकारी अधिकारी* (Chief Executive Officer-CEO) *एक महानिदेशक होता है जिसकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।***
- इसमें एक बोर्ड ऑफ गवर्नर होगा जिसमें परीक्षा आयोजित करवाने वाले संस्थानों के सदस्य भी शामिल होंगे।

महत्व :

- NTA जैसी विशिष्ट परीक्षण एजेंसी की स्थापना से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (Central Board of Secondary Education-CBSE), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (All India For Technical Education-AICTE) जैसी संस्थाओं से परीक्षा आयोजित कराने का बोझ कम हुआ है।
- NTA प्रत्येक वर्ष ऑनलाइन माध्यम से कम–से–कम दो बार परीक्षाओं का आयोजन करता है जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिये प्रवेश के अवसर बढ़ जाते हैं।
- NTA ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँच बढ़ाने के लिये तथा अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु जिला स्तर एवं उप–जिला स्तर पर अपने केंद्र स्थापित कर रहा है।
- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने एक मोबाइल एप प्रारंभ करने के साथ ही अभ्यास परीक्षण केंद्रों की स्थापना की है जिसकी सहायता से अभ्यर्थी अपने स्मार्टफोन पर भी मॉक टेस्ट (Mock Test) देकर अपना परीक्षा पूर्व मूल्यांकन कर सकते हैं।

****

प्रलिम्स के लिए तथ्य

❖ **Kharga Prahar** :

- पंजाब के मैदानों में पिछले दिनों स्थल सेना के खड़गा कोर्ज (Kharga Corps) की कई इकाइयों ने प्रशिक्षण अभ्यास किया।
- खड़गा कोर्ज भारतीय थल सेना का एक अंग है जो अम्बाला से काम करता है.।

❖ ***<u>निर्वाचन और नियम 49MA:</u>***

- भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission Of India) एक नियम पर पुनः विचार कर सकता है ***जिसके अंतर्गत यदि कोई मतदाता ईवीएम (Electronic Voting Machine& EVM) या वीवीपीएटी (Voter Verifiable Paper Audit Trail- VVPAT) मशीन की खराबी के बारे में शिकायत करता है*** और यह शिकायत गलत पाई जाती है तो उसके खिलाफ मुकदमा चलाने का प्रावधान है।
- निर्वाचन संहिता के नियम 49MA के तहत यदि मतदाता यह दावा करता है कि ***ईवीएम या पेपर ट्रेल मशीन द्वारा उसका वोट नहीं पड़ा है*** तब उस स्थिति में उसे टेस्ट वोट डालने की अनुमति दी जाती है।
- अगर मतदाता की शिकायत झूठी पाई जाती है, तो चुनाव अधिकारी शिकायतकर्त्ता के ***खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 177 के तहत कार्रवाई शुरू कर सकता हैं।***
- दंड संहिता के इस प्रावधान के अंतर्गत मतदाता को छह माह का कारावास या ***1000 रुपए का अर्थदंड या दोनों सजा हो सकती है।***

****

ICS
LUCKNOW
IAS/PCS/PCS(J)